सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 325 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 1 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।
-सुभाष चन्द्र बोस

राष्ट्रपति ने नारकोटिक्स और चुनाव संशोधन... 2 | चुनावी मौसम में धरातल पर... 3 | बंदिशों के बीच नए साल का... 7

4पीएम के स्टिंग में खुलासा

कोरोना काल में लाशों को जलाने के लिए मंगायी गयी लकड़ी अलाव के लिए जल रही है राजभवन में

» चिता की अधजली लकड़ियों को भी नहीं छोड़ा नगर निगम के अफसरों ने

» अलाव के लिए करोड़ों रुपये जारी पर अभी तक नहीं हुआ टेंडर

» कोरोना की दूसरी लहर में लाशों को जलाने के लिए नहीं मिली थीं लकड़ियां

□□□ क्षितिज कान्त

लखनऊ। कोरोना की दूसरी लहर में भले ही यूपी के लोगों को अपनों की लाश जलाने के लिए श्मशान में लकड़ी नहीं मिली हो लेकिन इन्हीं लकड़ियों से राजभवन में बैठे तमाम अफसर सर्दी दूर कर रहे हैं। बैकुंठ धाम से राजभवन में अलाव जलाने के लिए रोजाना आठ क्विंटल लकड़ी नगर निगम के कर्मचारी गाड़ियों में भरकर भेजते हैं जबकि इसके लिए अलग से सरकार ने करोड़ों रुपये जारी किए हैं। नगर निगम के अफसरों ने चिता की अधजली

श्मशान की लकड़ी से सर्दी दूर कर रहे अफसर रोजाना आठ क्विंटल लकड़ी भेजी जाती है राजभवन

लकड़ियों को भी नहीं छोड़ा और उसका इस्तेमाल भी अलाव जलाने में किया जा रहा है। 4पीएम के रिटिंग से यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

लखनऊ का बैकुंठ धाम। कई चिताएं एक साथ जल रही हैं। लोगों के चेहरों पर अपनों के जाने का दुख है। अचानक दोपहर तक दृश्य बदल जाता है। श्मशान घाट में नगर निगम की दर्जन भर गाड़ियां धड़धड़ाते हुए पहुंचती हैं। नगर निगम के कई दर्जन कर्मचारी बैकुंठ धाम में रखी लकड़ियों को उठाकर तेजी से गाड़ियों में भरते हैं। ये लकड़ियां लाशों को जलाने के लिए नहीं बल्कि अफसरों की सर्दी दूर करने के लिए राजभवन भेजी जानी है। जी हां, चौंकिए नहीं, आप सही सुन रहे हैं। 4पीएम आपको ग्राउंड जीरो से इसकी हकीकत बता रहा है। आला अफसरों के इशारे पर यह सारा खेल बैकुंठ धाम यानी श्मशान घाट में खेला जा रहा है। बैकुंठ धाम का कोई कोना नहीं जहां से लकड़ियों को उठाया न जाता हो। इनमें वे अधजली लकड़ियां भी शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल लाशों को जलाने में किया गया था। राजभवन में श्मशान की लकड़ियों से अलाव की व्यवस्था कर रहे सहजराम बताते हैं कि पिछले कई दिनों से यहां से लकड़ियों को अलाव के लिए भेजा जा रहा है। रोजाना सात से आठ क्विंटल लकड़ी राजभवन भेजी जाती है। हालांकि वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। उनका कहना था कि यह सब नगर आयुक्त के संज्ञान में है। हम ऊपर से आए आदेश के मुताबिक लकड़ियों को भेज रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि अभी अलाव के लिए लकड़ियों की खरीद के लिए टेंडर नहीं पास हुआ है। जाहिर है ये लकड़ियां लाशों को जलाने के लिए रखी गयी हैं और अफसर इनसे अपनी सर्दी दूर कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने अलाव जलाने के लिए अलग से बजट आवंटित किया है। इस मामले में पूछताछ पर वहां मौजूद अन्य लोगों ने चुप्पी साध ली।

दूसरी लहर में लकड़ी नहीं मिलने से नदियों में बहायी गयी थीं लाशें

कोरोना की दूसरी लहर में बैकुंठ धाम में लाशों को जलाने के लिए लकड़ियां नहीं मिल रही थीं। जब उपलब्ध होती थीं तो बेहद महंगे दामों मे बेची जाती थीं। ऐसे में तमाम लोगों ने विद्युत शवदाह गृह का सहारा लिया। यह हालत पूरे प्रदेश के श्मशान घाटों की थी। लकड़ियां नहीं मिलने के कारण लोगों ने गंगा समेत विभिन्न नदियों में शवों को बहा दिया था। अब तीसरी लहर की आशंका है और श्मशान की लकड़ियां अलाव के लिए भेजी जा रही हैं।

कहां गया बजट

प्रदेश सरकार ने अलाव के लिए लकड़ी की व्यवस्था करने और कंबल बांटने के लिए 19.75 करोड़ का बजट पारित किया है। इसके अलावा प्रति तहसील पांच लाख रुपये इसके लिए आवंटित किए हैं। सवाल यह है कि जब अलाव के लिए अलग से पैसा जारी हुआ है तो श्मशान की लकड़ियों का इस्तेमाल राजभवन समेत अन्य स्थानों पर क्यों किया जा रहा है? क्या सरकार की नाक के नीचे अलाव के लिए जारी धनराशि में हेराफेरी की जा रही है?

नगर आयुक्त ने नहीं उठाया फोन

इस मामले में नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी से बात करने की कई बार कोशिश की गयी। फोन के जरिए उनसे बात करने की कोशिश की गयी लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

शाह ने मंत्रियों को दिया चुनावी मंत्र, कहा

जीती सीट पर तो जीत चाहिए ही, हारी सीटें भी जीतना है

» प्रचंड जीत के लिए अपने अपने क्षेत्र में डटने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ब्रज और पश्चिम क्षेत्र के चुनावी मैनेजमेंट को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों के साथ सर्किट हाऊस में लंबी बैठक की। अमित शाह ने भाजपा पदाधिकारियों से कहा कि इस बार 300 से ज्यादा विधानसभा सीटें लानी हैं। उन्होंने जीती सीटों पर इस बार ज्यादा अंदर से जीत हासिल करने और हारी सीटों को हर हाल में कब्जाने के मिशन में जुटने को कहा। प्रचंड जीत के लिए अपने अपने क्षेत्र में विधानसभा चुनाव में डटने और इस मिशन में किसी प्रकार की समस्या को बताने के लिए भी कहा।

अमित शाह ने बैठक में सभी से उनके विधानसभा क्षेत्रों के बारे में जानकारी ली। पार्टी की चुनावी गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि शाह पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के लिए जी-जान से जुट जाएं। जिन

सीटों पर पिछली बार जीत दर्ज की थी। उन सीटों को तो हर हाल में जीतना है। इसके अलावा जिन विधानसभा सीटों पर कम अंतर से चुनाव हारे थे। उन सीटों को भी इस बार कब्जाना है। इसके लिए शाह ने केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों से अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ जी-जान से जुटने और कार्यालय छोड़कर फील्ड में जाने के जाने के लिए कहा। सूत्रों ने बताया अमित शाह ने प्रदेश के महामंत्री संगठन सुनील बंसल से काफी देर बात की और चुनाव प्रबंधन में किसी तरह की कोताही न बरतने और जिसको भी जहां जिस चीज की जरूरत है, वहां उसकी व्यवस्था कराने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि चुनाव में प्रचंड जीत के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में बैठक होनी चाहिए।

बरेली से फूंका पश्चिमी यूपी का चुनावी बिगुल

गृह मंत्री अमित शाह ने बरेली से पश्चिमी यूपी का चुनावी बिगुल फूंक दिया है। सर्किट हाउस में बरेली से लेकर मेरठ तक के भाजपा का ऐसा कोई बड़ा पदाधिकारी नहीं था जो बैठक में मौजूद नहीं था। गृह मंत्री अमित शाह ने सभी से अलग-अलग बातचीत की। उनके क्षेत्रों के बारे में जानकारी ली। उनसे पूछा कि उनके यहां किन-किन बड़े नेताओं की सभा लगाई जाए। जातिगत समीकरणों को देखते हुए नेताओं की रैलियां और जनसभा करने के निर्देश प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल को दिए।

राष्ट्रपति ने नारकोटिक्स और चुनाव संशोधन विधेयकों को दी मंजूरी

» शीतकालीन सत्र में हुए थे ये विधेयक पारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक सब्सटेंस (संशोधन) विधेयक 2021 और चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक 2021 को अपनी स्वीकृति दे दी है, जो अभूतपूर्व हंगामे के बीच संसद के हाल ही में संपन्न संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पारित किए गए थे। राष्ट्रपति की मंजूरी से दोनों विधेयक, अधिनियम में बदल गए हैं। एक गजट अधिसूचना के अनुसार नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक सबस्टेंस (संशोधन) अधिनियम 2021 और चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक सबस्टेंस (संशोधन) अधिनियम 2021 के माध्यम से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक सबस्टेंस एक्ट 1985 में संशोधन हुआ है।

यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक सबस्टेंस (संशोधन) अध्यादेश 2021 की जगह लेता है। यह अधिनियम नशीली दवाओं से संबंधित कुछ कार्यों (बनो, परिवहन और खपत) के नियंत्रण को लेकर है। अधिनियम के तहत कुछ अवैध गतिविधियों (जैसे नशीले पदार्थ की खेती या नशीली दवाओं का निर्माण) या उनमें लगे व्यक्तियों को शरण देना एक अपराध घोषित किया गया है। इस अपराध के दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को कम से कम दस साल के कठोर कारावास और कम से कम एक लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। करावास की अवधि बढ़ाकर 20 साल भी की जा सकती है। चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम 2021 वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने से जुड़ा है।

लाल-पीले गठबंधन को जनता माफ नहीं करेगी: अनिल राजभर

» प्रदेश को बीमारू राज्य बनाने वाला है विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश को बदहाली के लिए जिम्मेदार लोगों के लाल, पीले गठबंधन को प्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। 325 सीटें जीतकर भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाएगी। ये बातें चिरईगांव के बरियासनपुर स्थित महादेव पीजी कॉलेज में मंत्री अनिल राजभर ने कहीं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कराए गए विकास कार्यों के बल पर भाजपा चुनाव मैदान में है। प्रदेश की पूर्व की सरकारें सपा, बसपा जैसे दलों के चलते प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी में पहुंच गया था। लेकिन केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार मिलकर इस राज्य को अग्रणी राज्य की ओर ले आए। चहुंओर सड़कों का जाल, पर्याप्त बिजली, खाद, राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से लोगों को राहत पहुंचाया। उन्होंने बताया कि तीन जनवरी को भाजपा पिछड़ा वर्ग का सम्मेलन चिरईगांव में होगा। इसलिए महादेव पीजी कॉलेज बरियासनपुर के ग्राउंड को देखा जा रहा है। इस सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित मंत्री, विधायक, सांसद भी शामिल होंगे।

भाजपा इटावा जिले की तीनों सीटें जीतेगी : सतीश महाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को 300 सीटें मिलेंगी। वर्ष 2017 में भाजपा को जितनी सीटें मिलीं थीं, इस बार उससे ज्यादा सीटें मिलेंगी। इटावा की तीनों सीटों पर भाजपा को जीत मिलेगी। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने सपा-प्रसपा गठबंधन को निशाने पर लेते हुए कहा कि चाचा-भतीजा मिले जरूर हैं, लेकिन दोनों के दल अलग-अलग हैं। दिल नहीं मिलने से मनमुटाव है। यह गठबंधन दूध में नीबू के समान है। 2017 में सपा को 47 सीटें मिलीं थीं, लेकिन इस बार और कम हो जाएंगी। प्रदेश की जनता ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी को नकार दिया है।

हार की आशंका से बौखलाई भाजपा डलवा रही छापे: शिवपाल

» दंगा कराने वाले सत्ता में ज्यादा दिन नहीं रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दंगे करवाने वाले सत्ता में हैं, इसलिए प्रदेश में दंगे नहीं हो रहे। हार के डर से बौखलाई भाजपा छापे डलवाकर बदले की भावना से कार्य कर रही है। प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने हरदोई के बिलग्राम कस्बे में समाजसेवी शांति यादव की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के बाद यह बात कही।

प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कन्नौज व आसपास के जिलों में ही इनकम टैक्स के छापे बताते हैं कि भाजपा को पता है कि काला धन कहां हैं। बिलग्राम के मोहल्ला खतराना में प्रसपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश यादव की माता शांति यादव के निधन पर श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सपा-प्रसपा का गठबंधन हो चुका है और जनता ने सपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। तहसील, थानों, ब्लाक में जनता लूटी जा रही हैं। अधिकारी नहीं सुन रहे हैं। बड़ी रैलियां प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री कर रहे हैं, हम लोग चौपाल से काम चलाकर कोरोना का खतरा कम कर रहे हैं। शिवपाल सिंह का माधौगंज चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चुनाव से पहले उत्तराखंड सरकार ने की नए साल पर तोहफों की बरसात

» कैबिनेट बैठक में 25 प्रस्तावों पर फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड सरकार ने नए साल पर विभिन्न वर्गों के लिए तोहफों की बरसात की है। सरकारी अस्पतालों में आज (नए साल के पहले दिन) से 10 प्रतिशत महंगे होने जा रहे इलाज से राज्य के लोगों को फिलहाल राहत दे दी गई है। कैबिनेट ने सरकारी अस्पतालों में दी जाने वाली सेवाओं पर 10 फीसदी बढ़ोतरी के आदेश पर रोक लगा दी है।

अब लोगों को सरकारी अस्पताल में ओपीडी की पर्ची, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, इसीजी, खून की जांच आदि का पर अधिक पैसे नहीं देने होंगे। प्रदेश सरकार के शासकीय प्रवक्ता कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 25 प्रस्तावों पर निर्णय हुआ। सात प्रस्तावों पर कैबिनेट ने फैसला लेने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अधिकृत किया है। कैबिनेट ने समाज कल्याण की पेंशन योजना के पात्र बुजुर्गों और विधवाओं की पेंशन 1200 रुपए प्रतिमाह से बढ़कर 1400 रुपए कर दी है। इससे राज्य में 466708 वृद्धावस्था व 181238 विधवा पेंशनर लाभान्वित होंगे। साथ ही वृद्ध पति व पत्नी दोनों ही पेंशन के पात्र होंगे, अभी तक बुजुर्ग पति या पत्नी में से एक को ही पेंशन दी जा रही है।

214 व्यायाम शिक्षक तैनात होंगे

प्रदेश के सभी राजकीय महाविद्यालयों और 95 विकासखंडों (एक-एक इंटर मीडिएट कॉलेज) में व्यायाम शिक्षक तैनात होंगे। 214 पदों पर ये व्यायाम शिक्षक आउटसोर्स से रखे जाएंगे। कैबिनेट ने डिग्री कॉलेजों में नई पीजी कक्षाओं के संचालन के लिए 35 हजार रुपये प्रतिमाह पर गेस्ट टीचर नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। जिला पर्यटन समितियों के गठन को मंजूरी दी गई है। डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी 10 लाख रुपये तक के प्रस्तावों को मंजूरी देगी। जिलास्तर पर इसके लिए एक रिवोल्विंग फंड बनेगा।

चुनावी मौसम में धरातल पर मायावती नदारद, ट्वीटर के जरिए सियासत

» चुनाव सिर पर और 82 दिन से बसपा मुखिया ने कोई रैली नहीं की

» मायावती पूरी तरह से खामोश और अखिलेश निकाल रहे हैं रथ यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चार बार यूपी की मुख्यमंत्री रहीं मायावती को इस चुनाव में लोग ढूंढ रहे हैं। चुनाव से चंद दिनों पहले मायावती पूरी तरह से खामोश हैं जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव विजय यात्रा रथ निकाल रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी महिलाओं के बीच जनाधार मजबूत कर रही हैं। प्रचार के लिए भाजपा ने पूरी हाईकमान को यूपी में उतार दिया है। सिर्फ बसपा प्रमुख चुनाव में सक्रिय नहीं हैं।

बसपा सुप्रीमो ने 23 दिसंबर को अयोध्या जमीन घोटाले की जांच की मांग के साथ पीसी की। 6 दिसंबर को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर पीसी की। 30 नवंबर को पार्टी कार्यालय में चुनाव पर पदाधिकारियों के साथ बैठक की। 26 नवंबर को बसपा ने भी संविधान दिवस के कार्यक्रम का बहिष्कार किया। 24 नवंबर को पार्टी ने पिछले कार्यकाल में किए विकास कार्यों का फोल्डर जारी किया। 23 नवंबर को चुनाव बैठक की। कार्यकर्ताओं को जुटने का संदेश दिया। 19 नवंबर को कृषि कानून वापस लेने के लिए पीसी की। 9 नवंबर को बीजेपी के चुनावों वादों पर घेराबंदी करने के लिए बैठक की। 9 अक्टूबर को काशीराम की पुण्यतिथि पर जनसभा की थी। बता दें कि बड़ी चुनावी रैलियों के लिए पहचानी जाने वाली मायावती ने 9 अक्टूबर को काशीराम स्मारक स्थल पर परिनिर्वाण दिवस मनाया था। इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। हालांकि, इसको चुनावी रैली नहीं माना जा सकता है। वहीं ब्राह्मण को से जोड़ने के लिए मायावती ने पार्टी के महासचिव सतीश चंद्र मिश्र को जिम्मेदारी दी हुई है। सतीश की पत्नी कल्पना मिश्र का भी ब्राह्मण समाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं।

2017 में मेरठ, अलीगढ़ से की थी प्रचार की शुरुआत

2007 में सोशल इंजीनियरिंग के जरिए उन्होंने ब्राह्मणों को जोड़ने की कोशिश की। 2017 में दलित-ब्राह्मण एकता के नाम पर सम्मेलन भी करवाए गए। मेरठ के थाना टीपी नगर में वेद व्यासपुरी के सेक्टर दो मैदान और अलीगढ़ के बन्ना देवी इलाके में जीटी रोड के पास प्रदर्शनी स्थल से उन्होंने चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी। 22 फीसदी एससी आबादी उनका कोर वोट है। आरक्षित सीटों पर मायावती हमेशा ही मजबूत रहीं हैं।

अमित शाह ने चैलेंज दिया...बाहर निकलिए

मायावती की चुनावी साइलेंस पर अमित शाह ने भी चुटकी ली। मुरादाबाद में शाह ने कहा कि बहनजी की तो अभी ठंड ही नहीं गई है। ये भयभीत हैं। बहनजी, चुनाव आ गए हैं। थोड़ा बाहर निकलिए, बाद में ये न कहिएगा। मैंने प्रचार नहीं किया था।

बड़े चेहरे छिटकने से चुनावी मुश्किलें बढ़ीं

साल 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में मायावती ने 19 सीटें जीती थीं। कोर वोट बैंक ओबीसी के सहारे चुनावों में तेवर दिखाने वाली मायावती के लिए ये चुनाव थोड़ा मुश्किल भी है। बसपा के कई बड़े चेहरे पार्टी से छिटक चुके हैं। इंद्रजीत सरोज और लालजी वर्मा ने बसपा का साथ छोड़ दिया। वहीं, हाल ही में हरिशंकर तिवारी भी अपने बेटों और भांजे को सपा की साइकिल पर सवार कर चुके हैं। सवाल उठता है कि मायावती चुनाव प्रचार में कहीं सक्रिय क्यों नहीं हैं? कहा जा रहा है कि उन पर और उनके परिवार के सदस्यों पर सीबीआई और ईडी की आय से अधिक संपत्ति के मामलों के कारण वह दबाव में हैं।

पिछले साल हुई जनसभा में भाजपा को घेरा था

मायावती ने भाजपा को लेकर कहा था कि कृषि कानूनों के असर का आकलन होना चाहिए था। किसानों की उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए नया कानून बनाना चाहिए। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कांग्रेस की तरह भाजपा भी गंभीर नहीं है। लोक सभा व विधानसभाओं में उनके लिए 33 फीसदी आरक्षण का मामला लंबित पड़ा है। नोएडा से बलिया तक 8-लेन के गंगा एक्सप्रेस-वे के जरिए दिल्ली को पूर्वांचल से सीधे जोड़ने की पैरवी बसपा कर रही थी।

मिशन यूपी: फिर हिंदुत्व को धार देने में जुटे भाजपा के दिग्गज

» राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के साथ मथुरा का भी कर रहे जिक्र

» पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी तक विकास और हिंदुत्व को बना रहे मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश का सियासी पारा तेजी से चढ़ता जा रहा है। प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा न केवल जन विश्वास यात्राओं से पूरे यूपी को मथने में जुटी है बल्कि इसके दिग्गज विकास के साथ हिंदुत्व को भी धार दे रहे हैं। पीएम मोदी से लेकर अमित शाह तक राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का जोर-शोर से उल्लेख कर रहे हैं। इसके अलावा मथुरा का भी मुद्दा जोर-शोर से उछाला जा रहा है।

भाजपा प्रदेश में जन विश्वास यात्राएं निकाल रही है। इसके जरिए अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम योगी समेत तमाम दिग्गज नेता माहौल बनाने में जुटे हैं। वे विकास के साथ हिंदुत्व का एजेंडा भी चला रहे हैं। रैलियों में अयोध्या, काशी और मथुरा का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। कल अयोध्या पहुंचे अमित शाह ने न केवल यहां रामलला के दर्शन पूजन किए बल्कि विपक्ष पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विनाश पर हर बार निर्माण ने विजय प्राप्त की और इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच अगस्त 2020 को राम मंदिर के लिए भूमि पूजन किया। यह श्रीराम का वह मंदिर था, जिसका निर्माण रोकने के लिए सपा, बसपा, कांग्रेस सभी ने ढेर सारे कृत्य किए। कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गईं। जो मंदिर निर्माण रोकना चाहते थे, वे रोक नहीं सके और अब जल्दी ही अयोध्या में आकाश को छूने वाला श्रीराम का मंदिर बनने को है। इसके अलावा अमित शाह ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण और विंध्यवासिनी मंदिर के कायाकल्प का भी जिक्र किया। इसके साथ ही शाह ने भाजपा सरकार के प्रयास से अयोध्या में कराए जा रहे विकास कार्यों का भी जिक्र किया। इसके पहले पीएम मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण कर पूरे प्रदेश को न केवल विकास का संदेश दिया बल्कि हिंदुत्व को भी धार दी।

आगरा में चलाया भगवान परशुराम का फरसा

विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा ने ब्राह्मणों को रिझाने के लिए सियासी समर में भगवान परशुराम का फरसा चला दिया है। आगरा के परशुराम चौक पर अष्टधातु से बने भगवान परशुराम के शस्त्र फरसे का अनावरण किया गया। इसके जरिए ब्राह्मणों को संदेश देने की कोशिश की गयी। आगरा के मेयर नवीन जैन ने आवास विकास क्षेत्र में परशुराम चौक पर अष्टधातु निर्मित फरसे का अनावरण किया। मेयर नवीन जैन ने कहा कि वह राष्ट्रीय मेयर परिषद के भी अध्यक्ष हैं इसलिए उन्होंने देशभर के मेयर से संपर्क साधते हुए हर महानगर में अष्टधातु से बने फरसे लगवाने की मांग की। गाजियाबाद में भी बहुत जल्द अष्टधातु के बने फरसे का निर्माण कराया जाएगा। गौरतलब है कि हर पार्टियां ब्राह्मणों को रिझाने के प्रयास में जुट गई है। इसी कड़ी में भाजपा ने रणनीतिक रूप से आगे बढ़ते हुए ब्राह्मण नेताओं के साथ उच्च स्तरीय बैठक भी की है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुध ले

महामारी के बीच मनुष्य की चुनौतियों से लड़ने की अदम्य इच्छाशक्ति थकी नहीं। यही वजह है कि वह पाबंदियों में जश्न मना रहा है। दुनिया नयी उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। वह हर वस्तु को नए दृष्टि से देखने, चुनौतियों से जूझने और उस पर विजय पाने का संकल्प ले रही है।

नया साल नमूदार हो गया है। कोरोना की पाबंदियों के बीच शुभकामनाओं और संकल्पों का दौर जारी है। नई उम्मीदें हिलोरें मार रही हैं। अतीत हो चुके साल से सबक लेकर आगे बढ़ने का जज्बा भी है। इन सबके बीच कुछ सवाल हैं। सवाल जरूरी और आशा उससे भी बड़ी है। इनके समाधान का संकल्प लिए बिना देश और मानवता का भला नहीं होगा। सवाल यह है कि क्या नए साल पर समाज के हाशिए पर खड़े व्यक्तियों के चेहरे पर खुशी दिखी? क्या किसानों की समस्याओं के समाधान की कोई उम्मीद है? क्या दलितों, पिछड़ों और महिलाओं के उत्पीड़न में कमी आएगी? क्या जाति-धर्म की सियासत पर विराम लगेगा? क्या लोकतंत्र, विचार अभिव्यक्ति और मानवतावाद की जड़ें और गहरी होंगी? क्या महामारी के संकट से जूझ रहे राष्ट्र के प्रति नागरिक अपने कर्तव्य निभाने को तैयार हैं? क्या आतंकवाद और हथियारों की होड़ पर अंकुश लगेगा? क्या शांति और समृद्धि की उम्मीद की जा सकती है?

साल 2021 अतीत बन चुका है लेकिन वह नए साल को अपनी थाती भी सौंप गया है। यह थाती है पिछले दो सालों से नियंत्रित नहीं हो रही कोरोना महामारी और इससे उपजी तमाम समस्याएं। यह साल भी कोरोना महामारी से जूझती दुनिया के नाम रहा। इसने मनुष्य और चिकित्सा विज्ञान दोनों को चुनौती दी। लोगों को न केवल सेहत के प्रति जागरूक किया बल्कि परिवार की अहमियत भी बता दी। चिकित्सा विज्ञान ने चुनौतियों को स्वीकारा और कोरोना से निपटने को कई वैक्सीन उपलब्ध करा दीं। बावजूद इसके महामारी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। वह नए रूपों में सामने आ रही है। वहीं महामारी के बीच मनुष्य की चुनौतियों से लड़ने की अदम्य इच्छाशक्ति थकी नहीं। यही वजह है कि वह पाबंदियों में जश्न मना रहा है। दुनिया नयी उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। वह हर वस्तु को नए दृष्टि से देखने, चुनौतियों से जूझने और उस पर विजय पाने का संकल्प ले रही है। नयापन जीवन में उल्लास और उम्मीदें जगाता है। सपनों को पूरा करने की इच्छाशक्ति उत्पन्न करता है। ये अतीत से सबक सीखकर आगे बढ़ने को प्रेरित करता है। इस बार भी नए साल से काफी उम्मीदें हैं। मसलन, देश कोरोना महामारी से मुक्त हो जाएगा। अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आएगी। बेरोजगारों को रोजगार की कमी नहीं होगी। भ्रष्टाचार और आतंकवाद का खात्मा हो जाएगा। जाति और धर्म की सियासत समाप्त हो जाएगी। महिलाओं के खिलाफ अपराध कम हो जाएंगे। दलितों का उत्पीड़न रुकेगा और किसानों को उनके हिस्से की खुशी मिलेगी। आइए, नए साल में हम देश और दुनिया को सुंदर और समृद्ध बनाने का संकल्प लें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संघी चाशनी में डूबे मीडिया को क्यों न माने देशद्रोही और मानवताद्रोही?

डॉ. सीपी राय

7 साल से कुछ ज्यादा से ये मीडिया राजनैतिक हथियार बन गया है संघ का और चुनाव को भरपूर प्रभावित किया। फिर केवल सत्ताधीशों और चंद पूंजीपतियों की चेरी बन गया और लग गया देश और मानवता तथा भारत के लोकतंत्र, संविधान और आजादी के खिलाफ मुहिम में। फिर केवल देश में आतंक फैलाना वो चाहे किसी बीमारी की झूठी जानकारियों से हो या समाजिक विघटन से , समाज और देश को तोड़ना , धार्मिक नफरत बढ़ाना और सत्ता की हर बुराई पर पर्दा डालना, बस यही तो किया है इन 7 सालों मे इस मीडिया ने ।

मुझे तो तभी दिख गया था आज का दृश्य जब 15 अगस्त के दिन भारत के गौरव और प्रधानमंत्री पद की मर्यादा पर हमला हुआ था जब इधर प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे दिल्ली के लाल किले से उधर एक नकली किले से कोई फेंक रहा था अनाप शनाप और ये वाला मीडिया टीवी को दो हिस्से में बांट कर स्वतंत्रता दिवस की मर्यादा को तार तार कर रहा था । उस दिन जब एक भागे हुये फौजी ड्राइवर को महात्मा गांधी के बराबर सिद्ध कर रहा था ये मीडिया और भारत को बुरा से बुरा सिद्ध कर रहा था जिसमे आरएसएस और भाजपा पूरी ताकत से उतरी हुयी थी इस मुहिम में चेहरे पर नकाब लगाये हुये और बात हो रही थी लोकपाल की। सड़क और मैदान में जनता के साथ बैठ कर फैसले लेने की, भ्रष्टाचार मुक्त देश बनाने की, काला धन एक महीने में विदेश से लाने की, सारे भ्रष्टाचारियों को 100 दिन में जेल भेजने और पाताल से लेकर आकाश तक के भ्रष्टाचार की इत्यादि इत्यादि । पर सत्ता आते ही भूल गया। ये वाला मीडिया उस ड्राइवर को भी और उन तमाम मुद्दों को भी जिसके लिये दिल्ली के रामलीला मैदान और इंडिया गेट से लेकर देश भर के मैदान भर दिये गये थे शिखंडी बन कर लड़ने वालों द्वारा जबकि उसी दौर में जो इस भीड़ का नेतृत्व कर रहे है वही छापे पड़ने पर करोड़ों का भ्रष्टाचार कबूल भी कर रहे थे। मीडिया खुद भ्रष्टाचार की चाशनी में डूब गया इन सालों में और जिस किसी ने भी कलम से ईमानदारी दिखाने की कोशिश की

उसको बाहर का रास्ता दिखा दिया इस मीडिया ने अपने संघी आकाओं के आदेश पर क्योंकि मीडिया ने सिर्फ रीढ को ही नहीं झुका लिया बल्कि दंडवत लेट गया सत्ता और सत्ता के असली मालिकों के सामने।

देश की बर्बादी में बराबर का भागीदार है ये वाला मीडिया भी सत्ताधीशों के साथ-साथ। कहा जाता है बल्कि लोकतंत्र का सिद्धांत है की मीडिया , कवि लेखक , नाट्यकर्मी इत्यादि मूल रूप से सत्ता विरोधी होते है और सत्ता पर नकेल का तथा विपक्ष के लिये ढकेल का काम करते है पर इस दौर का मीडिया को तो सत्ता ढकेल रही है और वो लुढ़कता जा रहा है जिधर सत्ता ठोकर मार दे रही है। पता नहीं इस मीडिया को एहसास भी है कि नहीं कि वो धीमे जहर की मौत अपने आप, अपने कर्मों से मर रही है । इसी में जो चंद पत्रकार सीना तान कर कलम और माइक को हथियार बना कर भारत को, भारत के संविधान , लोकतंत्र और आजादी को बचाने में जुटे हैं उनको वही दर्जा हासिल हो रहा है जो गांधी नेहरू, सुभाष, भगत सिंह से लेकर तमाम स्वतंत्रता सेनानियों को और उस दौर के लिखने पढ़ने वालों को हासिल था । कहा जाता है की बहता हुआ पानी कोई न कोई रास्ता खोज ही लेता है पर रुकता नही है चाहे बड़े बड़े मजबूत बांध भी बन जाये पर उसे भी बचाने के लिये कुछ दरवाजे खुले रहते हैं जिनसे पानी बहता रहता है वरना कैसा भी बांध टिक ही नही सकता है वैसे ही मुख्य धारा का मीडिया कीचड़ में धंस गया तो सोशल मीडिया, यूट्यूब चैनल, छोटे पत्र पत्रिकाओं ने सम्हाल लिया काम की चौथा खंभा जीवित रहेगा हर हाल में। आज मुख्य धारा के मीडिया से ज्यादा लोकप्रिय ये सामानांतर मीडिया हो गया है और इसकी पहुंच उससे ज्यादा हो गयी है छोटे छोटे समूहों को जोड़कर ।

एक बार सूरज को घमंड हो गया की उसके बिना दुनिया नहीं चलेगी तो उसने देखा की वो तो डूब गया पर एक छोटा सा दिया हर झोपड़ी और घर में उजाला फैलाये हुआ था । यही काम आज का समानांतर मीडिया भी कर रहा है । भारत और मानवता दोनों देख रहे है की भ्रष्टाचार की चाशनी और संघी अंधभक्ति में डूबा मीडिया पूरी तरह नष्ट हो जायेगा, इतिहास में गुम हो जायेगा या आत्मचिन्तन कर , पश्चाताप करेगा।

(लेखक राजनीतिक चिंतक और वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर का तीव्र विकास

सुशांत सरीन

भारतीय सीमा से सटे क्षेत्रों में पुलों और सड़कों का निर्माण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण पहल है। हाल में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित 27 पुलों एवं सड़कों का उद्घाटन किया है, जिनमें अधिकतर चीन सीमा के करीब हैं। उन्होंने उचित ही रेखांकित किया है कि आज के अनिश्चित माहौल में लड़ाइयों की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इन दुर्गम इलाकों में विकास जरूरी है। उल्लेखनीय है कि सरकार की भारतमाला परियोजना के तहत बीते छह-सात वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों में कई सड़कों, पुलों, सुरंगों, रेल लाइनों, हवाई पट्टियों आदि का निर्माण हुआ है। परियोजना के महत्व को समझने के लिए हमें सीमा क्षेत्रों और संबधित पृष्ठभूमि को देखना चाहिए। भारत के अन्य पड़ोसी देशों से लगती सीमा से चीन से सटी सीमा बिल्कुल अलग है। ये क्षेत्र ज्यादातर दुर्गम और वीरान पहाड़ी इलाके हैं तथा वहां अधिक आबादी भी नहीं है। ऐसा भी नहीं है कि इन जगहों से व्यापार के बहुत रास्ते निकलते हों।

पहले इन इलाकों का विकास नहीं करने का एक बड़ा कारण यह था कि इसका कोई आर्थिक लाभ नहीं था। इसके बरक्स अगर हम भारत-पाकिस्तान सीमा को देखें तो इन क्षेत्र में आबादी रहती है। पहले दोनों ही ओर से विकास नहीं हो रहा था। चीन के पास भी निवेश करने के लिए धन नहीं था और भारत की भी स्थिति ऐसी ही थी। जब दोनों ओर ही इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित नहीं हो रहे थे तो किसी को फर्क भी नहीं पड़ता था। एक पहलू यह भी था कि जब चीन ने इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना शुरू किया तो भारत में यह सामरिक सोच थी कि अगर हम भी सड़कें, रेल, हवाई पट्टी आदि बना दें और अगर चीन के साथ लड़ाई छिड़ जाती है, किसी स्थिति में हमें पीछे हटना पड़ता है तो शत्रु देश को इसका फायदा मिल सकता है।

इन सुविधाओं के न होने से उसे भीतर आने में बड़ी दुश्वारी होगी और उन स्थितियों का लाभ उठाकर हम उसे पीछे खदेड़ सकते हैं। बहुत पहले पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी ने इस बाबत बयान भी दिया था पर धीरे-धीरे हमने यह महसूस किया कि चीन जिस तरह से निर्माण कर रहा है, उससे वह बड़ी तादाद में अपनी सेनाओं को सरहद पर ला सकता है तथा हमले की स्थिति में वह हमारे इलाकों पर काबिज हो सकता है। ऐसे में हमें उसे पीछे धकेलने में बहुत मुश्किल होगी क्योंकि ऐसी कई जगहों पर अपनी टुकड़ियां भेजने में कई दिनों का समय लग सकता है। इस स्थिति में जब तक हमारे सैनिक मोर्चे पर पहुंचेंगे, तब तक लड़ाई खत्म हो चुकी होगी। इसके बाद हमें खतरे का अहसास हुआ और भारत ने भी इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की ओर ध्यान देना शुरू किया। पिछली सरकारों के दौर में बातें तो हुईं, बड़ी-बड़ी योजनाएं भी बनीं, पर काम कुछ नहीं हुआ। जब केंद्र में मोदी सरकार आयी तो इस दिशा में तेजी से पहल हुई। भारतमाला परियोजना के तहत सड़कें, रेल लाइनों, हवाई पट्टियों आदि का निर्माण तो हो ही रहा है, साथ ही पुरानी हवाई पट्टियों को भी बेहतर किया जा रहा है। 2017 में दोकलाम के बाद इन प्रयासों को और तेज करने की जरूरत महसूस हुई और 2020 में गलवान की झड़प के बाद तो देरी करने का कोई मतलब नहीं रह गया।

चूंकि चीन लंबे समय से इन गतिविधियों में लगा हुआ है और उसके पास अधिक क्षमता व धन भी है। फिलहाल हम उसके बराबर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित नहीं कर सकते हैं, पर जिस गति से और अपनी जरूरत के हिसाब से काम हो रहा है, वह ठीक है। अन्य देशों से जुड़ी सीमाओं का जहां तक प्रश्न है तो बांग्लादेश सीमा पर बारिश की स्थिति में अक्सर बाड़, सड़कें आदि बह जाती हैं, पर बांग्लादेश या पाकिस्तान की सीमा पर वैसी चुनौतियां नहीं हैं, जो चीन से सटी सीमा पर है। पाकिस्तान की लगभग पूरी सीमा पर बाड़ लगायी जा चुकी है और नियमित चौकसी भी होती है। जहां नदी, नाले आदि हैं, वहां सेंसर लगाये गये हैं। बांग्लादेश से हमारा द्विपक्षीय सहयोग बढ़ रहा है, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित हो रहा है। सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियों, आवागमन और कारोबार के लिए हम नदियों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। अंतर्देशीय सड़कें भी बनायी जा रही हैं। पाकिस्तान के साथ अभी हमारा कोई रिश्ता ही नहीं है, सो किसी तरह की ऐसी परियोजनाओं का सवाल भी पैदा नहीं होता। कुछ जगहों, जैसे- वाघा बॉर्डर, पोखरापार-मुनाबाब आदि कुछ जगहों पर चौकियां हैं. जहां तक सड़कों आदि की बात है, तो उनकी कोई कमी नहीं है। चीन की सीमा पर चुनौतियां हैं, वे पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमा पर नहीं है। सभी सीमाओं की स्थिति एक-दूसरे से अलग है। चीन की ओर से उस तरह की घुसपैठ नहीं होती है, जैसी पाकिस्तान या बांग्लादेश से होती है। बांग्लादेश से भारत में काम करने के लिए अधिकतर घुसपैठ होती है, जबकि पाकिस्तान से होनेवाली घुसपैठ भारत में अस्थिरता पैदा करने और आतंक फैलाने के इरादे से होती है। बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमा की सुरक्षा की रणनीति वह नहीं हो सकती है, जो हम चीन की सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के रूप में अपना रहे हैं। भारतमाला परियोजना के तहत जिस तेजी गति से निर्माण कार्य हो रहा है, उसके बहुत कम उदाहरण हमारे इतिहास में मिलेंगे। इससे सरकार की गंभीरता और प्राथमिकता का पता चलता है अगर छिटपुट आलोचनाओं को छोड़ दें, तो जिस व्यापक दृष्टि और उद्देश्य के साथ यह महत्वाकांक्षी योजना आगे बढ़ रही है, उस पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है। यह परियोजना सामरिक सुरक्षा से जुड़ी है और इसकी निरंतरता बनी रहनी चाहिए।

आजकल के समय में ज्यादातर लोग बढ़े यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं। अगर हमारे शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है तो इसे शरीर में कई दिक्कतें होने लगती हैं। जिसकी वजह से पीड़ित व्यक्ति को शरीर की मांसपेशियों में सूजन, जोड़ों के दर्द से लेकर, बल्ड शुगर, गठिया, हार्ट की प्रॉब्लम जैसी कई और बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी बढ़े हुए यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं तो आज हम आपको कुछ आयुर्वेदिक घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिन्हें अपनाकर इसे कंट्रोल किया जा सकता है। जानिए क्या हैं ये आयुर्वेदिक नुस्खे और इन्हें कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड
को कंट्रोल करेंगे घरेलू नुस्खे

अजवायन का पानी

अजवायन में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच अजवायन को रातभर भिगोकर रख दें। उसके बाद सुबह उठकर इसे खाली पेट पी लें। रोजाना ऐसा करने से आपको हफ्तेभर में असर दिखने लगेगा।

सेब का सिरका

वैसे तो आपने सिरका कई बार खाने में इस्तेमाल किया होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं सेब का सिरका यूरिक एसिड को कंट्रोल का रामबाण नुस्खा है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेंटरी गुण पाए जाते हैं जो शरीर में यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का काम करते हैं इसके साथ ही खून में पीएच लेवल को बढ़ाते हैं। इसका सेवन आप पानी के साथ कर सकते हैं। इसके लिए बस एक गिलास पानी में 3 चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। अब रोजाना इसका सेवन करें।

लहसुन

बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए लहसुन भी कारगर है। इसके लिए आप लहसुन की दो से तीन कलियों का रोजाना सेवन करें। ये यूरिक एसिड से होने वाली बीमारियों से भी बचाएगा और यूरिक एसिड को कंट्रोल भी करेगा।

नींबू गुनगुने पानी के साथ

नींबू बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में सहायक है। इसके लिए गुनगुने पानी में नींबू का रस डालकर इसका सेवन करें। इससे यूरिक एसिड जल्द ही कंट्रोल होगा।

अलसी के बीज का इस्तेमाल

यूरिक एसिड की मात्रा को शरीर में नियंत्रित करने के लिए अलसी के बीज का सेवन करना लाभकारी होगा। इसके लिए बस आप रोजाना खाना खाने के आधे घंटे बाद एक चम्मच अलसी के बीज को खाएं। ऐसा करने से आपको कुछ दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

अदरक

अदरक भी यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का काम करती है। अदरक को काढ़ा के रूप में या फिर चाय में डालकर इसका सेवन करें। साथ ही अदरक के तेल से मालिश करने से सूजन और दर्द से राहत मिलती है।

हंसना मना है

लुंगी पहनी देहाती लड़की को पेड़ पर बैठा देख एक आंटी बोली...वहां क्यों बैठी है? लड़की: सेब खाने। महिला: पर यह तो आम का पेड़ है! लड़की: ओ, आंटी, चौधराईन मत बनो सेब लेकर आई हूं।

पिता: तुम मेरी बेटी से कब से प्यार करते हो? लड़का : पिछले 7 महीनों से, पिता: मगर मैं कैसे यकीन करूं? लड़का: ठीक है फिर, 2 महीने और रुक जाओ।

सौ टके की बात है, रोजगार है तो सोमवार है, नहीं तो हर दिन रविवार है।

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, तू क्वार्टर लेकर राखियो, आई एम कमिंग सून !

दोस्त: मुझे अपनी गर्लफ्रेंड को कोई गिफ्ट देना है, क्या दूं? पप्पू: ऐसा कर गोल्ड रिंग दे दें। दोस्त: कोई बड़ी चीज बता पप्पू: तो फिर गोल्ड रिंग जाने दें, MRF का टायर दे दें।

एक पुलिस वाले के घर चोरी हो रही थी। उसकी बीवी: उठो जी, घर में चोरी हो रही है। पुलिस वाला नींद में: मुझे सोने दो यह मेरी ड्यूटी का समय नहीं है।

पप्पू: नए साल में मैंने सारी गलत आदतें छोड़ दी हैं। गर्लफ्रेंड : कौन-कौन सी आदत? पप्पू: दारु और सिगरेट! गर्लफ्रेंड: और मैंने भी तुझे ब्लॉक कर दिया है।

कहानी — कितने ईमानदार?

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल! हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान? जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाये, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी! मेरे हुक्म का ऐसा अनादर! बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है ? बीरबल! ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेस बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा,सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते? बादशाह का हुक्म था, इसलिए...। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए! किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया, तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गये। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर! अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या? अकबर ने कहा, नहीं, नहीं, इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा: हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपकी इच्छा और कोशिश रहेगी कि ज्यादातर चीजें आपके कंट्रोल में रहें। पार्टनर से प्यार और सहयोग भी मिल सकता है। इनकम अच्छी रहेगी। कुछ स्टूडेंट्स के लिए तनाव वाला दिन भी हो सकता है ।

वृषभ

बिजनेस में फायदा होगा। पुराने विवाद भी निपट जाएंगे। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं। परिवार और संतान से सम्मान मिलेगा। मां लक्ष्मी और गणेशजी की पूजा उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में करें।

मिथुन

आज जरूरत से ज्यादा खर्चा भी हो सकता है। आपको अपनी इस आदत को लेकर सावधान रहना होगा, लेकिन सोचे हुए काम पूरे होंगे। आप कम बोलेंगे और किसी खास काम को लेकर हिचकिचा भी सकते हैं।

कर्क

संकोच के कारण आपके कुछ काम भी अधूरे रह सकते हैं। तुरंत कोई फायदा नहीं मिल पाएगा। किसी न किसी बात की टेंशन रहेगी। गाड़ी सावधानी से चलाएं। घर के ईशान कोण में लाल रंग के फूलों से रंगोली बनाये।

सिंह

साल के शुरू में भाग्य आपका साथ देगा। बहुत समय से आप अपने घरेलू जीवन के बारे में नहीं सोच रहे थे। कितना समय हो गया है जब से आपने ये महसूस नहीं किया है कि आपका घरेलू जीवन कितना महत्वपूर्ण है।

कन्या

नया साल आपके लिए खुशहाली का पैगाम लेकर आ रहा है। आज साल का पहला दिन कोई भी नए कार्य का श्रीगणेश करने के लिए योग्य है। आप अपने प्रियजनों की खुशी हेतु दिल से प्रयत्न करेंगे।

तुला

आपको अलग-अलग जिम्मेदारियां निभानी होंगी। मदद के लिए दूसरों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहेंगे तो दुखी हो जाएंगे। किसी प्रकार की देरी या कन्फ्यूजन की स्थिति में थोड़ा धैर्य रखें।

वृश्चिक

नव वर्ष के पहले दिन आप कोई इन्वेस्टमेंट न करें। आज के दिन किसी को पैसे न दें अन्यथा आपका आने वाला धन रुक सकता है। आज आप अपने करियर को लेकर किसी करियर एडवाइजर से मिलने की सोचेंगे।

धनु

आज कार्य सिद्धि व सफलता न मिले तो हताश न होने की सलाह दी जाती हैं। आज के दिन आप अपने क्रोध पर संयम रखें। आज आपको पैसे कमाने के कुछ नए और अच्छे मौके भी मिल सकते हैं।

मकर

नए साल की शुरुआत अच्छी होगी। क्रोध को वश में रखना आवश्यक है। धार्मिक कार्यों या यात्रा-प्रवास से भक्तिभाव प्रकट होगा और मन की अशांति दूर करेंगे। अपने विचारों को सकारात्मक रखें।

कुम्भ

साल के शुरुआती दिन में ही आपके रुके हुए सारे का पूरे होंगे पारिवारिक दृष्टिकोण से आज का दिन आपके लिए लाभकारी होगा। किसी नजदीकी रिश्तेदार के साथ आपका रिश्ता खराब हो सकता है।

मीन

साल के पहले दिन चिंताओं के बादल हटने से आप मानसिक हल्कापन महसूस करेंगे। मन में उत्साह का संचार होगा, जिससे दिनभर आप खुश रहेंगे, मित्रों के साथ शाम को बाहर जाने का प्लान बना सकते हैं।

भोजपुरी | मन की बात

दिल्ली सरकार से अपील कर लोगों के निशाने पर आये करण जौहर

कोरोना वायरस ने एक बार फिर से देशभर में पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। लगातार इसकी चपेट में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं विशेषज्ञों ने दावा किया है कि दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। इन हालातों को देखते हुए सरकार ने कई चीजों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। वही दिल्ली सरकार ने 28 दिसंबर से सिनेमाघर भी कर दिए है। अब थिएटर्स बंद होने पर एक बार फिर से फिल्मों की रिलीज डेट टाली जाने लगी है। इस वजह से फिल्म इंडस्ट्री को काफी नुकसान भी उठाना पड़ता है। ऐसे में अब बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार करण जौहर ने हाल ही में दिल्ली सरकार से सिनेमाघरों का दोबारा संचालन करने की अनुमति मांगी है। 30 दिसंबर को मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्यों ने दिल्ली के डिप्टी सीए मनीष सिसोदिया संग बैठक में सिनेमाघरों को खोलने की मांग की थी। अब करण जौहर ने भी अपने एक ट्वीट के लिए जरिए सिनेमाघर खोलने की अपली की है। उन्होंने लिखा, हम दिल्ली सरकार से सिनेमाघरों को संचालित करने की अनुमति देने का आग्रह करते हैं। बाकी अन्य सभी जगहों की तुलना में थिएटर्स में सोशल डिस्टेंसिंग की ज्यादा अच्छी व्यवस्था हो सकता है। अब अपने इस ट्वीट के कारण वह लोगों के निशाने पर आ गए हैं। करण को खरी-खोटी सुनाते हुए एक यूजर ने लिखा, ताकि आप लोगों की हेल्थ को खतरे में डालकर पैसे कमा सकें? आपकी इंडस्ट्री के ही कुछ लोग हाल ही में कोरोना पॉजिटिव मिले हैं न। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, इन लोगों को सिर्फ पैसे चाहिए और इन्हें किसी से भी कोई लेना-देना नहीं है। करण का ये ट्वीट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बॉलीवुड | मसाला

अक्षय कुमार काफी समय से अपनी अगली फिल्म पृथ्वीराज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ समय पहले ही इसका शानदार टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें अक्षय को काफी दमदार अंदाज में देखा जा रहा है। वहीं, अब फिल्म की रिलीज से पहले ही ये विवादों में फंसती हुई नजर आने लगी है।

दरअसल, हाल ही में आई खबरों के मुताबिक, राजस्थान के गुर्जर समुदाय ने फिल्म की रिलीज को रोकने की धमकी दी है। उनका कहना है कि अगर फिल्म में पृथ्वीराज चौहान के लिए राजपूत शब्द का इस्तेमाल किया गया तो वह इसे रिलीज ही नहीं होने देंगे। दूसरी ओर, श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजेंद्र सिंह शक्तावत ने गुर्जर समुदाय के उस दावे को खारिज किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि पृथ्वीराज गुर्जर समुदाय से थे। प्रवक्ता ने कहा, गुर्जर ही शुरुआत में गौचर थे, जो बाद में गुज्जर या गुर्जर में तबदील हो गए। ये लोग मूल रूप से गुजरात से आते हैं और इसीलिए उन्हें ये नाम भी दिया गया। बता दें कि गुर्जर समुदाय से पहले करणी सेना भी अक्षय की इस फिल्म को लेकर बवाल मचा चुकी है। उन्होंने फिल्म के टाइटर पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि इसका नाम सिर्फ पृथ्वीराज सम्मानजक नहीं है, इसका टाइटल पृथ्वीराज चौहान होना चाहिए था।गौरतलब है कि चंद्र प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी इस फिल्म से मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। पृथ्वीराज को 22 जनवरी 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाने वाला है।

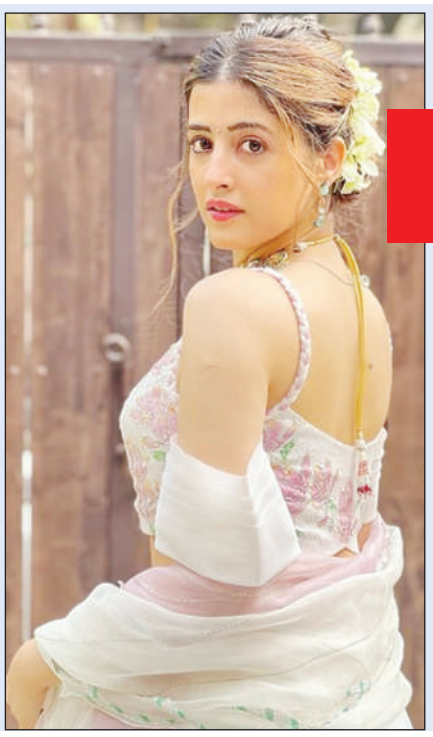

नूपुर सेनन की बोल्ड तस्वीर देख बोले फैंस- आपके इरादे क्या है

नूपुर सेनन ने सोशल मीडिया पर एक सेल्फी फोटो शेयर की है। इसमें उन्हें बिकिनी स्टाइल में बनी ब्रालेट ड्रेस और पैंट पहने देखा जा सकता है। उन्होंने अपनी सेल्फी फोटो शेयर की है। इसमें वह बड़ी हॉट लग रही है। तस्वीरों में नूपुर सेनन का एक हाथ जेब में है। वहीं वह एक हाथ से मोबाइल से सेल्फी खींच रही है। यह एक मिरर सेल्फी है। उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है। उनके बाल खुले हुए हैं। उन्होंने कानों में इयररिंग्स पहन रखी है। उन्होंने मेकअप कर रखा है नूपुर सेनन ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, मिरर मूड नूपुर की तस्वीरें वायरल हो गई है। इस पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। वहीं इस फोटो को अब तक 1 लाख 88 हजार लाइक मिल चुके है। तस्वीरों पर एक फैन ने लिखा है, आप बहुत खूबसूरत है वहीं एक फैन ने पूछा है, आपके असली इरादे क्या है? वहीं एक अन्य ने लिखा है, बेबी डॉल, सो क्यूट, बहुत अच्छी सेल्फी है वहीं एक अन्य ने लिखा है, आप इतनी खूबसूरत क्यों लग रही है वहीं एक अन्य ने लिखा है, प्रीटी सेननै। नूपुर सेनन कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी है। वह अक्षय कुमार के साथ भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने अक्षय कुमार के साथ मोहब्बत और फिलहाल मोहब्बत टू गाने में काम किया है। इन गानों को काफी पसंद किया गया था। नूपुर सेनन कृति सेनन की बहन है। दोनों बहनें फिल्म एक्ट्रेस हैं। कृति सेनन की 2022 में कई फिल्में रिलीज होने वाली है। वहीं नूपुर सेनन इसके पहले यूट्यूब पर गाने गाती थी और उनके गाने काफी वायरल हुए हैं। नूपुर सेनन की सोशल मीडिया पर बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके तैतालीस लाख फॉलोअर्स है।

अजब-गजब | ये जिस स्थान पर होते हैं उसी तरह के रंग में ढल जाते हैं

गिरगिट ही नहीं ये जीव भी बदलते हैं रंग

आपने गिरगिट के रंग बदलने के बारे में तो सुना ही होगा कि गिरगिट मौसम के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। लेकिन शायद आप ये बात नहीं जानते होंगे कि गिरगिट ही नहीं बल्कि कई और जीव भी गिरगिट की ही तरह रंग बदलते हैं। इन जीवों के रंग बदलने के बारे में कहा जाता है कि ये जीव शिकार करने के लिए अपने रंग को बदल लेते हैं और वह जिस स्थान पर होते हैं उसी तरह के रंग में ढल जाते हैं जिससे कि उनका शिकार उन्हें देख न पाए और वह आसानी से शिकार कर सकें।

सीहॉर्स भी बदलता है रंग

गिरगिट के अलावा सीहॉर्स भी रंग बदलने में माहिर है। सीहॉर्स एक समुद्री जीव है, जो गिरगिट की तरह रंग बदलने के लिए मशहूर है। ये जीव ना ही केवल डरने पर बल्कि अपनी भावनाओं के इजहार के दौरान भी अपने रंग को बदल लेता है। सीहॉर्स में क्रोमेटेफोर्स नामक तत्व होता है, जो इन्हें तेजी से और कई तरह का रंग बदलने में मदद करता है। डरने पर ये जीव कुछ सेकंड्स में रंग बदल लेते हैं, वहीं साथी से मिलन के दौरान रंग धीरे-धीरे बदलता है।

गोल्डन टॉरटॉइज बीटल

गोल्डन टॉरटॉइज बीटल एक छोटा-सा कीड़ा है। अगर कोई इंसान इस जीव को छूने की कोशिश करता है, तो ये जीव तुरंत अपना रंग बदल लेता है। डर के मारे ये जीव अपना रंग बदलकर आसपास की किसी चीज में घुलमिल जाता है, जैसे कोई फूल या पत्ती या फिर मिट्टी। इतना ही नहीं ये जीव अपने साथी से मिलते हुए भी अपना रंग बदल लेते हैं। वैसे तो गोल्डन टॉरटॉइज बीटल सुनहरे रंग के होते हैं, लेकिन खास हालातों में ये लाल चमकीले रंग के हो जाते हैं।

मिमिक ऑक्टोपस

मिमिक ऑक्टोपस भी एक समुद्री जीव है, जो रंग बदलने में माहिर होते हैं। इस जीव को बुद्धिमान जलीय जीवों में से एक माना गया है, जो आमतौर पर प्रशांत क्षेत्र में पाए जाते हैं। ये किसी भी परिवेश में खुद को ढालने के लिए अपना रंग बदल लेते हैं। इसके साथ ही ये अपनी लचीली स्किन के कारण आकार भी बदल पाते हैं।

पेसिफिक ट्री फॉग

यह मेंढक उत्तरी अमेरिका में पाया जाता है, जो रंग बदलने में माहिर है। इसके पैर काफी चिपचिपे होते हैं, जो इसे एक से दूसरे पेड़ और वातावरण में जाने में मदद करते हैं। यह मेंढ़क जैसे ही अपने आसपास कोई खतरा महसूस करता है, तो तुरंत अपना रंग बदलकर आसपास के पेड़-पौधों में एकदम मिल जाता है। इतना ही नहीं ये मेंढक मौसम के मुताबिक भी रंग बदलता रहता है।

स्कॉर्पियन फिश

स्कॉर्पियन फिश शिकार करते समय या शिकारियों से बचाव के समय ही अपना रंग बदलती है। रंग बदलने में माहिर यह मछली बेहद जहरीली भी है। इसके रीढ़ की हड्डी में जहर भरा हुआ रहता है। इसे पकड़ने के लिए बेहद सावधानी बरतनी पड़ती है, नहीं तो यह पल भर में जहर उड़ेल देती है।

Happy New Year : कहीं कब्रिस्तान में सोते हैं तो कहीं पडोसियों के दरवाजे पर तोड़ते हैं बर्तन

साल 2021 खत्म होने जा रहा है। हर वर्ष की तरह यह वर्ष भीद लोगों को खट्टी मिठी यादें देकर जा रहा है। हालांकि लोग अब इन सबको भुलाकर नए वर्ष 2022 के स्वागत की तैयारियों में जुट गए हैं। पूरी दुनिया में लोग न्यू ईयर का जश्न मनाते हैं। ऐसे में सभी लोग 2022 का स्वागत करने को तैयार हैं। हालांकि नए साल का जश्न कई देशों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। जानते हैं अलग-अलग देशों में न्यू ईयर का जश्न मनाने के तरीकों के बारे में।

कब्रिस्तान में सोने जाते हैं लोग

एक ऐसा देश भी है, जहां लोग नए साल के दिन कब्रिस्तान में जाते हैं। चिली में लोग न्यू ईयर पर कब्रिस्तान में सोने जाते हैं। लोगों का मानना है कि ऐसा करने से उनके पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। इस वजह से वे ऐसा करते हैं।

रंगीन अंडवियर पहनने का रिवाज

स्विट्जरलैंड में भी न्यू ईयर का जश्न अलग तरीके से मनाया जाता है। यहां नए साल पर लोग आइसक्रीम को एक दूसरे के साथ शेयर करते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं कि ताकि उनका भाग्य अच्छा रहे और संपन्नता बनी रहे। वहीं साउथ अमरीका में लोग नए वर्ष पर रंगीन अंडरवियर पहनते हैं। इसको वहां के लोग अच्छा मानते हैं।

पडोसियों के दरवाजे पर तोड़ते हैं बर्तन

वहीं डेनमार्क में लोग न्यू ईयर पर अपने दोस्तों और पड़ोसियों के दरवाजे पर बर्तन तोड़ते हैं। यहां मान्यता है कि नए साल की सुबह पर घर के दरवाजे पर जितने बर्तन टूटे हुए होंगे उस साल आपका भाग्य उतना ही अच्छा रहेगा। रोमानिया में भी लोग अलग तरह से नए वर्ष का स्वागत करते हैं। यहां लोग न्यू ईयर पर भालू जैसी ड्रेस पहनकर डांस करते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से नए साल में बुरी आत्माओं से छुटकारा मिलता है।

बंदिशों के बीच नए साल का स्वागत, घरों में मनाया जश्न

फोटो: सुमित कुमार

» देर रात से शुरू हुआ शुभकामना देने का सिलसिला

» लोगों ने काटे केक, जमकर किया डांस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत के लिए लोगों में गजब का उत्साह दिखा। बंदिशों के बीच लोगों ने घरों में जश्न मनाया। किसी ने डीजे लगवाया तो किसी ने छत पर दोस्तों के साथ पार्टी की। रात भर लोग जश्न में डूबे रहे और एक दूसरे को बधाई दी।

रात 12 बजते ही लोगों ने एक-दूसरे को नए साल की बधाई देने के साथ नए साल का स्वागत किया। रात्रि कर्फ्यू की बंदिशों के बीच नए साल का जश्न मनाया। लोगों ने केक काटे और पार्टियां दी। नववर्ष के स्वागत को लेकर लोग देर रात तक जागते रहे। रिश्तेदारों और दोस्तों को फोन कर बधाई देने का सिलसिला शुरू हुआ जो आज दिन भर चला। वहीं सोशल मीडिया पर लोगों ने पुराने साल में की गई गलतियों की क्षमा मैसेज भेजकर मांगी।

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते 31 दिसंबर की रात पुलिस सड़कों पर मुस्तैद रही। कहीं भीड़ न जुटने पाए इसके लिए नाइट कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराया गया। हजरतगंज, गोमतीनगर, चौक, आलमबाग, भूतनाथ आदि इलाकों में सड़कों पर सन्नाटा पसर गया लेकिन विभूतिखंड में समिट बिल्डिंग के आसपास वाहनों का जमावड़ा कम नहीं हुआ। इस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ दिया। देर रात तक सड़कों पर मुस्तैद पुलिसकर्मी वाहनों पर निकल रहे युवाओं को डांट-फटकार कर भगाते नजर आए। वहीं न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर हजरतगंज, भूतनाथ, गोमतीनगर के पत्रकारपुरम, विभूतिखंड व अन्य पॉश इलाकों के रेस्टोरेंट व खानपान की दुकानों पर दिनभर भीड़भाड़ दिखी।

नाइट कर्फ्यू में सख्ती खदेड़े गए हुड़दंगी

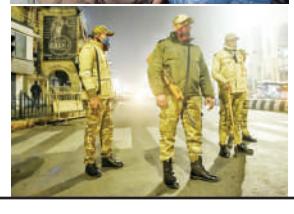

नशे में धुत युवती का हंगामा

विभूतिखंड में समिट बिल्डिंग के बाहर से लोगों को खदेड़ने पर नशे में धुत एक युवती भड़क गई। वह कार की छत पर चढ़कर हंगामा करने लगी। आते-जाते लोगों के साथ ही वो पुलिसकर्मियों को भी अपशब्द बोल रही थी। कुछ देर बाद महिला पुलिसकर्मियों ने युवती को कार की छत से खींचकर उतारा। फिर युवती के साथी उसे लेकर चले गए।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार 11 गिरफ्तार

» सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। ताजगंज में विभव नगर में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का अड्डा चल रहा था। सूचना पर सीओ लोहामंडी सत्य नारायण ने शुक्रवार की रात को छापा मारकर मौके से पांच युवतियों और छह युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

विभव नगर में एक दुकान में स्पा सेंटर के नाम पर कई महीने से देह व्यापार चल रहा था। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद एएसपी सत्य नारायण सिंह ने पुलिस की टीम के साथ दुकान पर छापा मारा। पुलिस को देख वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी और भगदड़ मच गई। एएसपी ने बताया मौके से पांच युवतियां और छह युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मौके से एक रजिस्टर भी मिला। जिसे चेक करने पर उसमें युवतियों की एंट्री दर्ज थी। मगर, युवकों के नाम नहीं लिखे थे। पुलिस ने इसके बाद रजिस्टर की एक महीने से अधिक की एंट्री चेक कीं। अधिकांश दिनों में पकड़ी गई युवतियों के ही नाम लिखे हुए थे। स्पा सेंटर सूरज और सदाकत का बताया गया है। एएसपी ने बताया मामले में ताजगंज थाने मे अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दुकान से रजिस्टर मिला है। जिसमें युवतियों के नाम लिखे हुए थे। इसके साथ ही रजिस्टर में बुकिंग के रेट भी लिखे थे। यहां आने वाले ग्राहकों से 800 रुपए चार्ज किए जाते थे।

चन्नी सरकार पर बरसे केजरीवाल, कहा

पंजाब में शांति भंग करने वालों के मंसूबे नहीं होंगे कामयाब

» पंजाब सरकार आज तक नहीं पकड़ पाई मास्टरमाइंड को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में विधान सभा चुनाव से पहले पटियाला में शांति मार्च के सहारे दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल बेअदबी के मुद्दे पर बड़ा दांव खेल गए। उन्होंने कहा कि चुनावों से पहले पंजाब के दुश्मनों ने गंदी हरकतें शुरू कर दी हैं लेकिन शांति भंग करने वालों के मंसूबे पंजाब के लोग कामयाब नहीं होने देंगे।

केजरीवाल ने कहा कि कुछ दिन पहले श्री दरबार साहिब में बेअदबी की कोशिश की गई। जिस व्यक्ति ने इसे अंजाम दिया, उसे किसने भेजा था। घटना के पीछे मास्टरमाइंड कौन था। चन्नी सरकार ने 48 घंटे में मामले का पर्दाफाश कर आरोपियों तक पहुंचने का दावा किया था, 10 दिन से ज्यादा होने पर भी अभी तक मास्टरमाइंड पकड़ा नहीं गया। लुधियाना बम धमाके का भी मास्टर माइंड नहीं पकड़ा गया। केजरीवाल ने कहा कि इसी तरह से 2017 में पिछले विधान सभा चुनावों के समय भी मौड़ मंडी में बम ब्लास्ट किया गया। 2015 में बरगाड़ी में बेअदबी की गई। केजरीवाल ने कहा कि अगर 2015 के मास्टरमाइंड को बेअदबी की सजा दी जाती तो दोबारा ऐसा करने की किसी की हिम्मत नहीं थी। पंजाब के माहौल, यहां का भाईचारा और शांति को बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है। शांति मार्च शेरां वाला गेट से शुरू होकर लीला भवन चौक तक निकाला गया। इसमें भगवंत मान और वरिष्ठ आप नेता हरपाल चीमा भी मौजूद रहे।

मलिहाबाद में देवर ने भाभी को गोली मारी, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मलिहाबाद इलाके के नजरनगर गांव में शुक्रवार को एक महिला को उसके देवर ने गोली मार दी। उसे गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

क्षेत्र के ग्राम नजर नगर निवासी मोहित यादव ने गांव निवासी राजेंद्र यादव की पुत्री रोली यादव (23) से दो साल पहले घरवालों की मर्जी के बिना शादी की थी। रोली के पांच माह का बेटा है। शुक्रवार को किसी बात को लेकर विवाद होने पर देवर सौरभ यादव ने रोली पर तमंचे से फायर कर दिया। पीठ पर गोली लगने से रोली गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रोली को मलिहाबाद सीएचसी पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसे गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। मलिहाबाद इंस्पेक्टर नित्यानंद सिंह ने बताया कि मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है। छानबीन में पता चला कि मोहित की शादी से परिवारीजन खुश नहीं थे। आए दिन घर में विवाद होता था। आरोपी सौरभ की रोली से अक्सर कहासुनी होती थी। आशंका है कि इसी विवाद में उसने वारदात अंजाम दी है। मामले में रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

चुनाव से पहले छापेमारी भाजपा को पड़ेगी भारी!

» सपा को बदनाम करने के लिए डाले गए पुष्पराज जैन के यहां छापे

» 4पीएम में प्रबुद्धों ने चुनाव से पहले छापों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले सरकारी एजेंसियां कठपुतली बन गयी हैं। अब सपा एमएलसी पुष्पराज जैन के यहां आयकर का छापा पड़ा। क्या इन छापों से अखिलेश यादव को फायदा होगा होगा? क्या ये छापे भाजपा पर भारी पड़ेंगे? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार जयशंकर गुप्ता, विनीत नारायण, श्वेता आर रश्मि, ममता त्रिपाठी, अशोक वानखेड़े, सपा प्रवक्ता जितेंद्र त्रिपाठी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

श्वेता आर रश्मि ने कहा, भाजपा अखिलेश के बढ़ते कद से बौखला गयी है। यूपी की सत्ता संसद तक जाने का रास्ता है। यदि यहां नैया डांवाडोल होगी तो 2024 के लोक सभा चुनाव में भी होगी। छापेमारी सपा को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए किए गए। ममता त्रिपाठी ने कहा, ये छापे सियासत से प्रेरित हैं अगर सच्चाई थी तो साढ़े चार साल क्या कर रहे थे। अशोक वानखेड़े ने कहा, पीयूष जैन मामले को भाजपा ने सपा से जोड़ दिया। खुद प्रधानमंत्री इस मामले में गलत सूचना दे रहे हैं। जितेंद्र त्रिपाठी ने कहा, जनता का समर्थन देखकर भाजपा बौखला गयी है। छापे से सपा को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। जय शंकर गुप्ता ने कहा, इसका मुख्य लक्ष्य विपक्ष के आर्थिक संसाधनों को चोट पहुंचाना है। विनीत नारायण ने कहा, इस छापे से यूपी का व्यापारी अब भाजपा से खौफ खाएगा। जाहिर है इसका नुकसान भाजपा को होगा।

नए वर्ष पर अखिलेश यादव का ऐलान

सरकार बनी तो बिजली फ्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव से पहले बड़ा ऐलान किया है। अखिलेश ने आज ट्वीट किया कि अब बाइस में 'न्यू यूपी' में नयी रोशनी से नया साल होगा। 300 यूनिट घरेलू बिजली फ्री व सिंचाई बिल माफ होगा। नव वर्ष सबको अमन-चैन, खुशहाली दे।

अखिलेश ने कहा सपा सरकार आएगी और 300 यूनिट फ्री घरेलू बिजली व सिंचाई की बिजली मुफ्त दिलवाएगी। सपा प्रमुख के इस ऐलान के बाद प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। बिजली उपभोक्ताओं ने अखिलेश के इस ऐलान का स्वागत किया है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कन्नौज में कहा चुनाव में हार के डर से घबराई और बौखलाई भाजपा सरकार यूपी चुनाव लडने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को साथ लेकर आई है। भाजपा के लोग नफरत की दुर्गंध फैलाने वाले हैं, यह सौहार्द की सुगंध को नहीं पसंद करते हैं। यह कन्नौज और इत्र को बदनाम कर रहे हैं। भाजपा लखनऊ से लेकर दिल्ली तक कन्नौज और इत्र को बदनाम कर रही है। जनता सब समझ रही है, विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा का सफाया करेगी।

अखिलेश यादव ने कहा भाजपा की रैलियों में जनता नहीं जा रही है। इनकी रैली के आयोजक लेखपाल और सरकारी अधिकारी हैं। भाजपा सरकार जाने वाली है और समाजवादी पार्टी की नई सरकार आने वाली है। इसी से घबराकर भाजपा छापेमारी कर रही है। अखिलेश ने कहा भाजपा के डबल इंजन एक दूसरे से टकरा रहे हैं। उत्तर प्रदेश को डबल इंजन सरकारों से कोई लाभ नहीं हुआ है।

300 यूनिट तक बिजली रहेगी मुफ्त, किसानों का सिंचाई बिल भी होगा माफ

बंगाल की जनता सिखा चुकी है बीजेपी को सबक

आरएलडी प्रवक्ता रोहित अग्रवाल ने कहा विधानसभा चुनाव में जहां जहां भाजपा हारने लगती है वहां केंद्रीय एजेंसियों से छापे करवाती है। यही हाल बंगाल में किया। बंगाल की जनता ने उन्हें सबक सिखाया। कर्नाटक व चंडीगढ़ में भी भाजपा बुरी तरह पराजित हुई। अब उत्तर प्रदेश की जनता भी उन्हें सबक सिखाएगी। रोहित ने कहा भाजपा ने ईडी, सीबीआई और आईटी के साथ गठबंधन किया है। मगर आगामी चुनाव में जनता इसके लिए उसे माफ नहीं करेगी।

वैष्णो धाम में भगदड़ से 12 भक्तों की मौत, आठ मृतकों की पहचान

» **पीएम मोदी, शाह व एलजी मनोज सिन्हा ने किया हरसंभव मदद का ऐलान**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। माता वैष्णो देवी भवन में मची भगदड़ में 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग ने बताया कि इस भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई है और 13 लोग घायल हुए हैं। बचाव कार्य जारी है।

श्राइन बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि सरकार ने तीन सदस्यों की टीम को उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं, जिसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल सेक्रेटरी होम करेंगे और उनके अलावा एडीजीपी जम्मू जोन और डिविजनल कमिश्नर जम्मू इसके सदस्य होंगे, जो मामले की रिपोर्ट देंगे।

हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदना है और प्रार्थना करते हैं कि घायल हुए लोग जल्दी ही रिकवर होंगे। उपराज्यपाल ने बताया कि उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से बात कर घटना की पूरी जानकारी दी है। पीएम मोदी की ओर से इस मामले में हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया है। मनोज सिन्हा ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा घायलों को 2 लाख रुपये की मदद की जाएगी। जख्मी लोगों के इलाज का पूरी खर्च वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की ओर से वहन किया जाएगा। एलजी सिन्हा ने बताया कि घटना की पूरी जानकारी होम मिनिस्टर अमित शाह को भी दी गई है और एक उच्च स्तरीय जांच आयोग का गठन किया गया है। जम्मू कश्मीर प्रशासन और श्राइन बोर्ड की ओर से हादसे के पीड़ितों के परिजनों के लिए हेल्पलाइन भी जारी की गई है। इन नंबरों पर कॉल कर लोग अपने परिजनों का हालचाल जान सकते हैं।

24 घंटों में कोरोना के 20 हजार से ज्यादा केस आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में फिर तेजी से इजाफा होता नजर आ रहा है। बीते 24 घंटों में भारत में 22 हजार 775 मामले सामने आए हैं और इस दौरान 406 लोगों की मृत्यु हुई। इधर, ओमिक्रोन वैरिएंट के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

देशभर में ओमिक्रोन के मामलों की संख्या 1400 के पार पहुंच गई है। ऐसे में लोगों को बेहद सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। बीते 24 घंटों की बात करें, तो 22 हजार 775 मामले सामने आए हैं और सिर्फ 8 हजार 949 लोग ठीक हो पाए हैं। ऐसे में कोरोना के सक्रिय मामलों में तेजी से इजाफा होना लाजिमी है। भारत में रिकवरी रेट 98.32 फीसदी पहुंच गया है। देश में सबसे ज्यादा कोरोना के मामले महाराष्ट्र और दिल्ली में सामने आ रहे हैं।

ओमिक्रोन के मामले 1400 के पार

रैलियों में गरीबों का पैसा पानी की तरह बहा रही बीजेपी : मायावती

» **हमारे पास धन की कमी, चुनावी रैलियां नहीं कर सकती बसपा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने आज बीजेपी की रैलियों पर तंज सकते हुए कहा कि बसपा धन्नासेठों की पार्टी नहीं है। बसपा अपने लोगों पर किसी तरह का आर्थिक बोझ नहीं चाहती है। लिहाजा पहले की तरह ही तय समय से ही रैलियां और सभाएं होंगी। हम बीजेपी की तरह तारीखों के ऐलान से पहले बड़ी-बड़ी साभाएं नहीं करते।

मायावती ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां जब सत्ता में होती हैं, तो फिर अपने शासन वाले राज्यों में चुनाव से 2 से 3 महीने पहले ही खूब उद्घाट और शिलान्यास करती है। ये हवा-हवाई शिलान्यास और उद्घाटन के जरिए रैलियां कर एक तरह से चुनाव प्रचार करती है। इसमें जो पैसा खर्च होता है वो आम जनता का होता है। बसपा सुप्रीमो ने सत्ताधारी भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा ये जो राजनीतिक चुनाव से पहले ही बड़ी बड़ी रैलियां कर रहें हैं, इस ठंड में इन्हें गरीबों के पैसे की ही गर्मी चढ़ी है। ये गरीबों का पैसा है जिसे पानी की तरह बहाया जा रहा है। मायावती ने कहा हमारी पार्टी बाबा साहेब के आदर्शों पर चलती है। हमें अपने लोगों की आर्थिक स्थिति का एहसास है। मायावती ने कहा गरीबों, मजदूरों और मेहनत कस लोगों से सरकार की वादा खिलाफी जारी है।

डबल इंजन सरकार कर रही विकास : दयाशंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के पूर्व संयोजक पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ भाजपा, सैनिक कल्याण संस्थान उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष कर्नल दयाशंकर दुबे ने नववर्ष पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश और देश की डबल इंजन की सरकार सभी वरिष्ठों के आशीर्वाद से लगातार विकास कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा सभी वरिष्ठों के आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। सरकार प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा 2022 में सत्ता में आ रही है। प्रदेश में जितने विकास कार्य इन पांच साल में हुए हैं, उतने पहले की सरकारों में भी नहीं हुए। उन्होंने कहा आने वाला दशक भाजपा का ही है और जो विकास कार्य बचे हैं वह भी जल्द पूरे होंगे। दयाशंकर दुबे ने कहा भाजपा एक परिवार की तरह काम और जन सेवा करती है। वैचारिक राष्ट्रवाद का भी संदेश देती है। वहीं विपक्ष सिर्फ जनता को गुमराह करता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।